।। अर्हम् ।।
आचार्यश्री महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति, श्रीडूँगरगढ़ (बीकानेर)
दूरभाष : 01565–224600,224900
ई–मेल : jstsdgh01565@gamil.com

जैन विद्या विकास के लिए बच्छावत परिवार ने दिये 75 लाख
''जैन दर्शन विश्व कल्याणकारी दर्शन है – आचार्य महाप्रज्ञ''
–तुलसीराम चौरड़िया (मीडिया संयोजक)–

श्रीडूँगरगढ़ 9 फरवरी : आचार्य महाप्रज्ञ ने तेरापंथ भवन उपरलो में जन समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि जैन दर्शन विश्व कल्याणकारी दर्शन है। तात्त्विक दृष्टि से अद्वितीय है। पर इसको पूरी तरह से जाना नहीं गया है। पहले अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति के जैन विद्वान थे। अब वह पीढ़ी समाप्त हो गई है। विदेशों में इस कोटी के कुछ विद्वान हैं। आज जैन विद्वानों को तैयार करने की जरुरत है। जो जैन दर्शन के विश्व मैत्री संदेश को जन मानस में प्रतिष्ठित कर सके। उन्होने कहा की अहिंसा,अनेकांत और अपरिग्रह के सन्दर्भ में जितना चिंतन जैन दर्शन में दिया गया है उतना ओर कहीं उपलब्ध नहीं होता। शांतिपूर्ण सह अस्तित्व का अनेकांत से महत्वपूर्ण कोई दर्शन दृष्टिगत नही होता।

आचार्य महाप्रज्ञ ने दिल्ली में आयोजित होने वाली एशिया के दार्शनिकों की कान्फ्रेंस में 500 दार्शनिकों के बीच जैन दर्शन को प्रमुख स्थान मिलने की चर्चा करते हुए कहा कि आचार्य तुलसी के कारण जैन दर्शन विश्व अंचल तक पहचान बनाने में कामयाब हुआ है। जैन विश्व भारती समाज की कामधेनु इसके द्वारा जैन दर्शन के प्रचार–प्रसार हेतु योजनाबद्ध कार्य होना चाहिए। इससे पूर्व युवाचार्य महाश्रमण ने संसार को मोह का वृक्ष बताते हुए वैराग्य एवं अनाशक्ति के विकास की प्रेरणा दी। उन्होनें अपने पुत्रों को आत्म कल्याण मार्ग पर बढ़ने की अनुमति देने वाले माता–पिता को धन्य बताया। मुनि कुमार श्रमण ने जापानी विद्वानों के द्वारा प्रेषित जैन दर्शन की विशेषताओं की व्याख्या करने वाले पत्रों का वाचन किया।

कार्यक्रम में चाड़वास के भंवरलाल बच्छावत परिवार ने जैन विश्व भारती के अन्तर्गत जैन विद्या विकास निधि कोष में 75 लाख रूपये का चैक जै.वि.भा. के अध्यक्ष सुरेन्द्र चौरड़िया को भेंट किया। सुरेन्द्र चौरड़िया, बच्छावत परिवार का आधार जताते हुए बताया कि जैन विद्या विकास निधि कोष के माध्यम से जैन दर्शन का और जैन विद्या के प्रचार प्रसार पर विशेष कार्य किया जायेगा और जैन दर्शन गहराई से अध्ययन करने वाले छात्र–छात्रओं को प्रोत्साहित किया जायेगा। कुमुद बच्छावत एवं पारसमल बच्छावत ने रायकंवरी देवी बच्छावत के 75 वर्ष पूर्ण करने पर मंगलकामना की एवं सिरियारी रो स्वाम, **''ओम अर्हम् नमो नमः''** सीडी के लोकार्पण हेतु आचार्य महाप्रज्ञ को भेंट की। जैन विश्व भारती की तरफ से अध्यक्ष सुरेन्द्र चौरड़िया, सहमंत्री विजयसिंह चौरड़िया ने बच्छावत परिवार का साहित्य के द्वारा सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमति शांता पुगलिया ने किया। कार्यक्रम के दौरान चाड़वास के श्रावक समाज की अर्ज पर आचार्य महाप्रज्ञ की अनुमति से युवाचार्य महाश्रमण ने 2012 का अक्षय तृतीया महोत्सव चाड़वास में करने की स्वीकृति प्रदान की।

शांतिपूर्ण जीवन के सूत्र पाने पहुंचा फ्रांस का दल

विश्व शांतिदूत आचार्य महाप्रज्ञ से शांतिपूर्ण जीवन के सूत्र पाने के लिए फ्रांस से एक दल आज उपरले तेरापंथ भवन पहुंचा। उन्होने आचार्य महाप्रज्ञ के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करने के साथ युवाचार्य महाश्रमण एवं मुनिजनों से जैन दर्शन, प्रेक्षाध्यान आदि पर चर्चा की। चार सदस्य दल ने जैन मुनि चर्या, जैन विश्व भारती स्थित तुलसी कला प्रेक्षा के बारे में जानकारी प्राप्त कर आश्चर्य चकित हो गये। मुनि कुमारश्रमण ने प्रेक्षा इन्टरनेशनल के द्वारा लगने वाले अन्तर्राष्ट्रीय प्रेक्षाध्यान शिविरों, सेमिनारों और तेरापंथ के पर्यटन स्थलों की जानकारी दी। मुनि किशनलाल ने प्रेक्षाध्यान का प्रायोजित प्रशिक्षण देते हुए अनेक मुद्राओं के प्रयोग करवाये।

क्रमश : 2

14 को होगा कन्या संस्कार निर्माण शिविर

तेरापंथ महिला मंडल के तत्त्वाधान में तेरापंथ कन्यामंडल द्वारा आचार्य महाप्रज्ञ के सान्निध्य में 14 फरवरी को कन्या संस्कार निर्माण शिविर का आयोजन किया जायेगा। इस शिविर में युवाचार्य महाश्रमण, साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा समेत साध्वियों के द्वारा विशेष प्रशिक्षण दिया जायेगा।

तुलसीराम चौरड़िया
मीडिया संयोजक